Self Respect

29-08-2014

- ✓ तुम बच्चों को बाप अभी राजयोग सिखला रहे हैं । फिर राजाई मिल जाती है । तुम अपार सुखों में रहते हो । वहाँ तो फिर याद करने की दरकार ही नहीं । रिंचक भी दु :ख नहीं होता है । आयु भी बड़ी, काया भी निरोगी होती है । यहाँ कितने दु :ख हैं ।
- ✓ जहाँ तुम आत्माएं रहती हो वह फिर कहते हम उनमें लीन होंगे । उनका ज्ञान ही सारा उल्टा है । यहाँ तो बेहद का बाप तुम बच्चों को पढ़ाते हैं ।
- ✓ अभी तुम नर्कवासी से स्वर्गवासी बनते हो ना । जन्म तो नर्क में लिया है । भले स्वर्ग के लिए । यहाँ तुम आये ही हो स्वर्ग में जाने के लिए । जैसे कोई ब्रिज आदि बनाते हैं, तो पहले फाउण्डेशन सेरीमनी कर लेते हैं फिर ब्रिज बनती रहती है । स्वर्ग की स्थापना का उद्घाटन (फाउण्डेशन सेरीमनी) बाप ने कर लिया है, अब तैयारी होती रहती है ।

✓मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमोर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।

✓**वरदान:** बाप के संस्कारों को अपने ओरिजिनल संस्कार बनाने वाले शुभभावना, शुभकामनाधारी भव !